

प्रेषक,

डा० उमाकांत पंवार,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

प्राचार्य,
वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली राजकीय आयुर्विज्ञान शोध संस्थान,
श्रीनगर गढ़वाल।

चिकित्सा अनुभाग-1

देहरादून: दिनांक 23 जुलाई, 2010

विषय:- द्वितीय नवीनीकरण हेतु एम०सी०आई० द्वारा किये गये निरीक्षण के समय विभिन्न कन्सल्टैन्सी सर्विस द्वारा उपलब्ध कराये गये संकाय सदस्यों के बीजकों के भुगतान के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वर्तमान वर्ष में वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली राजकीय आयुर्विज्ञान शोध संस्थान, (श्रीनगर मेडिकल कालेज) के द्वितीय नवीनीकरण हेतु एम०सी०आई० द्वारा किये गये निरीक्षण के समय विभिन्न कन्सल्टैन्सी सर्विस द्वारा उपलब्ध कराये गये संकाय सदस्यों के बीजकों की धनराशि क्रमशः मैसर्स पार्वती फाउन्डेशन सेक्टर-12, प्रताप विहार गाजियाबाद हेतु रू० 4,18,000/- एवं एस०जी० कन्सल्टैन्सी इन्दौर हेतु रू० 2,09,000/- तथा जे०एच० कन्सल्टैन्सी सर्विस, लखनऊ हेतु रू० 2,20,000/- अर्थात् कुल धनराशि रू० 8,47,000/- (रू० आठ लाख सैन्तालिस हजार मात्र) की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए इतनी ही धनराशि के व्यय की अनुमति प्रदान करने की श्री राज्यपाल महोदय द्वारा सहर्ष स्वीकृति निम्नलिखित शर्तों के अधीन प्रदान की जाती है:-

2- उक्त व्यय उसी मद में किया जायेगा जिसके लिए स्वीकृत किया जा रहा है। इस सम्बन्ध में समस्त प्रचलित वित्तीय नियमों का पालन किया जायेगा तथा संकाय सदस्यों की उपलब्धता के संबंध में दिये गये बीजकों का औचित्यपूर्ण परीक्षण किया जायेगा। उपलब्ध कराए गए बीजकों की पुष्टि एवं औचित्य के आधार पर ही धनराशि आहरित कर उपरोक्त वर्णित कन्सल्टैन्सी सर्विस को हस्तान्तरित की जाएगी।

3- भुगतान करने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जाए कि मितव्ययिता सम्बन्धी नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया गया है तथा उपलब्ध करायी गयी संकाय सदस्यों के विरुद्ध ही भुगतान किया जायेगा। अतः यह सुनिश्चित कर लिया जाये कि संकाय सदस्यों की संख्या तथा उनका पद एवं नियत वेतनमान के आधार पर ही भुगतान किया जा रहा है।

100

सचिव ।

प्रतिलिपि— निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

- आज्ञा से,

आज्ञा से,
श्रीधर
(सहस्रपात्री - त्रिपुली)

(मायावती ढकरियाल)
उप सचिव।

ਉਪ ਸਚਿਵ।